Barnebøker for Norge

barneboker.no

वुसी की बहन ने क्या कहा / Det søstera til Vusi sa

Skrevet av: Nina Orange
Illustret av: Wiehan de Jager
Oversatt av: Nandani (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.
https://creativecommons.org/licenses/by/3.0/deed.no

वुसी की बहन ने क्या कहा

Det søstera til Vusi sa

Nina Orange
Wiehan de Jager
Nandani
hindi / bokmål
nivå 4

(uten bilder)

एक दिन सुबह सुबह वुसी की दादी ने उसे बुलाया, “वुसी, कृपया इन अंडों को अपने माता-पिता के पास ले जाओ। वे एक बड़ा सा केक तुम्हारी बहन की शादी के लिए बनाना चाहते हैं।”

• • •

Tidlig en morgen ropte bestemoren til Vusi på ham: “Vusi, vær snill og ta med dette egget til foreldrene dine. De vil lage en stor kake til bryllupet til søstera di.”

वुसी की बहन ने थोड़ी देर सोचा, फिर बोला, “वुसी मेरे भाई, मुझे सच में उपहारों से कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे केक की भी चिंता नहीं है! हम सभी यहाँ साथ में है, मैं खुश हूं। अब तुम अच्छे पहनो और और इस दिन का जश्न मनाते है!” और फिर ऐसा ही वुसी ने किया।

. . .

Søstera til Vusi tenkte en stund, så sa hun: “Vusi, kjære bror, jeg bryr meg virkelig ikke om gaver. Jeg bryr meg ikke en gang om kaka! Vi er alle sammen samlet her, så jeg er glad. Så ta på deg noen fine klær og la oss feire denne dagen!” Så det var det Vusi gjorde.

माता -पिता के पास जाने के रास्ते में, वुसी दो लड़कों से मिला जिन्होंने फल लिये थे। एक लड़के ने वुसी से अंडा छीना और पेड़ पर फेक दिए। अंडा टूट गया।

. . .

På vei til foreldrene sine møtte Vusi to gutter som plukket frukt. Én gutt snappet egget fra Vusi og kastet det på et tre. Egget knuste.

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया। “वह अंडे केक के लिये थे। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। मेरी बहन क्या कहेगी अगर उसकी शादी का केक नहीं हुआ?”

. . .

“Hva har du gjort?” ropte Vusi. “Det egget var ment for en kake. Kaka var til bryllupet til søstera mi. Hva kommer søstera mi til å si hvis det ikke blir noen bryllupskake?”

“मैं क्या कर सकता हूँ?” वुसी रोया। जो गाय उपहार में मिली थी वो भाग गई, वह फुस के बदले में मिली थी जो राजमिस्त्रों ने दिया था। राजमिस्त्रों ने मुझे फुस दिया क्योंकि उन्होंने फलवालो से मिले छड़ी को तोड़ दिया। फलवालो ने मुझे छड़ी इसलिए दिया क्योंकि उन्होंने मेरे अंडे तोड़ दिए जो केक के लिए था। केक शादी के लिए था। अब यह अंडा नहीं है, ना केक, और ना उपहार”।

. . .

“Hva skal jeg gjøre?” ropte Vusi. “Den kua som sprang bort var en gave til gjengjeld for halmen som bygningsarbeiderne ga meg. Bygningsarbeiderne ga meg halmen fordi de knakk kjeppen fra fruktplukkerne. Fruktplukkerne ga meg kjeppen fordi de knuste egget som var ment for kaka. Kaka var ment for bryllupet. Nå er det ikke noe egg, ikke noen kake, og ikke noen gave.”

लेकिन गाय जल्दी ही दौड़ कर किसान के पास वापस आ गई। और वुसी रास्ता भूल गया। वह बहुत देर से अपनी बहन की शादी में पहुचा। मेहमान पहले से ही खा रहे थे।

. . .

Men kua sprang tilbake til bonden rundt middagstid. Og Vusi gikk seg vill på reisen. Han kom fram veldig sent til bryllupet til søstera si. Gjestene var allerede i gang med å spise.

लड़के वुसी को परेशान करने के लिये शर्मिंदा थे। “हम केक के साथ मदद नहीं कर सकते, लेकिन यहाँ चलने वाली छड़ी है तुम्हारी बहन के लिए,” एक ने कहा। वुसी ने अपना सफ़र जारी रखा।

. . .

Guttene var lei seg for at de ertet Vusi. “Vi kan ikke hjelpe deg med kaka, men her er en kjepp til søstera di”, sa den ene. Vusi fortsatte på reisen.

रास्ते में यह दो आदमियों से मिला जो घर बना रहे थे। “क्या हम उस मजबूत लकड़ी का प्रयोग कर सकते है?” एक ने पूछा। एक ने पूछा। पर यह छड़ी मकान के लिए मजबूत नहीं है, और वह टूट गया।

• • •

På veien møtte han to menn som bygget et hus. “Kan vi bruke den sterke kjeppen?” spurte den ene. Men kjeppen var ikke sterk nok for bygningen, så den knakk.

गाय को पछतावा हुआ वह लालची थी। किसान तैयार हो गया कि गाय वुसी के साथ जा सकती है उसके बहन के उपहार के रूप में। और तो वुसी ने पकड़ लिया।

• • •

Kua var lei seg for at hun var grådig. Bonden ble enig i at kua skulle følge med Vusi som en gave til søstera hans. Og slik fortsatte Vusi.

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया।” वह फुस मेरी बहन के लिए उपहार था” राजमिस्त्रों ने मुझे दिया था वह फुस क्योंकि उन्होंने फलवालो से मिली छड़ी को तोड़ दिया था। फलवालो ने मुझे इसलिए दिया क्योंकि उन्होंने अंडा तोड़ दिया था जो मेरी बहन के केक के लिए था। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। अब यह ना अंडा है, न केक, और ना कोई उपहार। मेरी बहन क्या कहेगी?”

. . .

“Hva har du gjort?” ropte Vusi. “Den halmen var en gave til søstera mi. Bygningsarbeiderne ga meg den halmen fordi de knakk kjeppen fra fruktplukkerne. Fruktplukkerne ga meg kjeppen fordi de knuste egget ment for kaka til søstera mi. Kaka var ment for bryllupet til søstera mi. Nå er det ikke noe egg, ikke noen kake, og ikke noen gave. Hva kommer søstera mi til å si?”

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया।” छड़ी मेरी बहन के लिए उपहार था। फलवालो ने दिया था क्योंकि उन्हों ने केक के लिए अंडे को तोड़ दिया। केक मेरी बहन की शादी के लिये था। अब अंडा है, ना केक, और नहीं कोई उपहार। मेरी बहन क्या कहेंगी?”

. . .

“Hva har du gjort?” ropte Vusi. “Den kjeppen var en gave til søstera mi. Fruktplukkerne ga meg den kjeppen fordi de knuste egget som var ment for kaka. Kaka var ment for bryllupet til søstera mi. Nå er det ikke noe egg, ikke noen kake, og ikke noen gave. Hva kommer søstera mi til å si?”

राजमिस्त्री छड़ी तोड़ने पर दुखी थे। “हम केक के साथ मदद नहीं कर सकते, पर यहाँ कुछ घास-फुस है तुम्हारी बहन के लिये,” एक ने कहा। और फिर वुसी ने अपना सफ़र जारी रखा।

• • •

Bygningsarbeiderne var lei seg for at de knakk kjeppen. “Vi kan ikke hjelpe deg med kaka, men her er litt halmtekke for huset til søstera di”, sa den ene. Og slik fortsatte Vusi på reisen.

रास्ते में, वुसी किसान और एक गाय से मिला। “क्या स्वादिष्ट फुस है, क्या इसे मैं चबा सकती हूँ?” गाय ने पूछा। पर फुस स्वादिष्ट था तो गाय ने पूरा खा लिया!

• • •

På veien møtte Vusi en bonde og ei ku. “For noe deilig halm, kan jeg få en smakebit?” spurte kua. Men halmen smakte så godt at kua spiste opp alt!